उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद (उपकार), लखनऊ

कार्यवाही
उपकार प्रायोजित शीतकालीन शिक्षा कार्यक्रम में उपस्थिति

"वैश्वीकरण के दौर में उभरती हुई पशु बीमारियों के प्रारंभिक निदान एवं नियंत्रण हेतु आणविक तथा उन्नत नैदानिक उपकरणों का एकीकरण"

21-30 नवम्बर, 2025

2025

उत्तर प्रदेश पंडित दीन दयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गो-अनुसंधान संस्थान, मथुरा-281001, उत्तर प्रदेश, भारत

विषय: "वैश्वीकरण के दौर में उभरती पशु बीमारियों के प्रारंभिक निदान एवं नियंत्रण हेतु आणविक एवं उन्नत नैदानिक उपकरणों के एकीकरण" विषय पर उपकार प्रायोजित शीतकालीन विद्यालय के समापन सत्र के संबंध में

दिनांक: 30 नवम्बर, 2025

स्थल: पशु चिकित्सा विज्ञान एवं पशुपालन महाविद्यालय, उत्तर प्रदेश पंडित दीन दयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गो-अनुसंधान संस्थान (डूवासु), मथुरा-281001, उत्तर प्रदेश, भारत

शीतकालीन विद्यालय अवधि: 21–30 नवम्बर, 2025

उपकार से प्रतिनिधिमंडल

- ✓ **डॉ. संजय सिंह, महानिदेशक, उपकार**
- ✓ **डॉ. रिन्नी सिंह, वैज्ञानिक अधिकारी, उपकार**

शीतकालीन विद्यालय का संक्षिप्त विवरण

इस शीतकालीन विद्यालय का मुख्य विषय था: "वैश्वीकरण के दौर में उभरती हुई पशु बीमारियों के प्रारंभिक निदान एवं नियंत्रण हेतु आणविक और उन्नत नैदानिक उपकरणों का एकीकरण।"

- ❖ **भागीदारी:** शीतकालीन विद्यालय के लिए प्राप्त 43 आवेदनों में से कुल 25 प्रतिभागियों का चयन किया गया।
- ❖ **पहुंच:** इस कार्यक्रम में पूरे भारत से प्रतिभागिता हुई, जो प्रशिक्षण में व्यापक रुचि और राष्ट्रीय महत्व को दर्शाती है।
- ❖ **प्रतिक्रिया:** प्रतिभागियों का उत्साह अत्यंत सराहनीय रहा। तकनीकी कौशल में सुधार और समुदाय के भीतर संपर्क निर्माण के अवसर शीतकालीन विद्यालय से मुख्य लाभ रहे।

समापन सत्र की मुख्य विशेषताएँ:

समापन सत्र ने 10-दिवसीय गहन शीतकालीन विद्यालय कार्यक्रम के औपचारिक समापन के रूप में कार्य किया।

- **उपकार के महानिदेशक द्वारा अध्यक्षीय संबोधन:** डॉ. संजय सिंह, महानिदेशक, उपकार, ने शीतकालीन विद्यालय में अध्यक्षीय संबोधन दिया।
- उन्होंने इस विषय के महत्व और उभरती हुई पशु बीमारियों से निपटने हेतु उन्नत निदान विधियों के एकीकरण की समयोचित आवश्यकता को विशेष रूप से वैश्वीकरण के संदर्भ में उजागर किया।

- उन्होंने देश की पशु स्वास्थ्य सुरक्षा को सुदृढ़ करने में इस प्रकार के क्षमता निर्माण कार्यक्रमों की भूमिका पर जोर दिया। साथ ही, समय-समय पर इस प्रकार के प्रशिक्षण एवं व्यवसायिक मार्ग संवर्धन पहल को प्रायोजित करने में उपकार की भूमिका को विशेष रूप से उजागर किया।
- **उपकार की वैज्ञानिक अधिकारी द्वारा टिप्पणियाँ:** डॉ. रिन्नी सिंह, वैज्ञानिक अधिकारी, उपकार, ने शीतकालीन विद्यालय के संबंध में अपनी टिप्पणियाँ दीं। उन्होंने डूवासु द्वारा सफल आयोजन और संकाय एवं प्रतिभागियों द्वारा दिखाए गए समर्पण को सराहा। उन्होंने शीतकालीन विद्यालय के दौरान अर्जित ज्ञान को क्षेत्र एवं प्रयोगशाला दोनों परिस्थितियाँ में लागू करने के महत्व पर जोर दिया।
- **आगामी कार्यक्रम की घोषणा:** उपकार के प्रतिनिधिमंडल ने आगामी प्रमुख कार्यक्रम की घोषणा करने का अवसर लिया, जिसे उपकार द्वारा आयोजित किया जा रहा है:
  - **कार्यक्रम:** उत्तर प्रदेश कृषि विज्ञान सम्मेलन (UPASC 2026)
  - **विषय:** "विकसित कृषि- विकसित भारत@2047 के लिए कृषि का रूपांतरण"
  - **तिथियाँ:** 14-16 फरवरी, 2026
  - **स्थल:** रानी लक्ष्मीबाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झाँसी (उत्तर प्रदेश)

निष्कर्ष:

समापन सत्र ने उपकार प्रायोजित शीतकालीन विद्यालय के सफलतापूर्वक संपन्न होने को चिह्नित किया। उपकार द्वारा युवा पेशेवरों एवं सहायक प्राध्यापकों के लाभ तथा उनके ज्ञानवर्धन के लिए ऐसे ग्रीष्म एवं शीतकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रमों को प्रायोजित किया जाता है। उपकार के गणमान्य अधिकारियों के संबोधन ने प्रतिभागियों को महत्वपूर्ण रणनीतिक दिशा एवं प्रेरणा प्रदान की, जबकि यू.पी.ए.एस.सी.-2026 की घोषणा ने भविष्य में कृषि एवं वैज्ञानिक सहभागिता के अवसरों की एक झलक प्रस्तुत की।

भ्रमण के झलकियाँ:

UPCAR Sponsored Winter School
on
Integrating Molecular and Advanced Clinical Diagnostic
Tools for Early Detection and Control of Emerging
Animal Diseases in a Globalized World
Sponsored by:
Uttar Pradesh Council of Agricultural Research

UPCAR Sponsored Winter School
on
Integrating Molecular and Advanced Clinical Diagnostic
Tools for Early Detection and Control of Emerging
Animal Diseases in a Globalized World
Sponsored by:
Uttar Pradesh Council of Agricultural Research
राधे
राधे

UPCAR Sponsored Winter School
on
Integrating Molecular and Advanced Clinical Diagnostic
Tools for Early Detection and Control of Emerging
Animal Diseases in a Globalized World
Sponsored by
Uttar Pradesh Council of Agricultural Research